

# Result Mitra Daily Magazine

## अरुणाचल प्रदेश में प्रस्तावित अपर सियांग उद्देशीय जल विद्युत परियोजना

### चर्चा में क्यों?

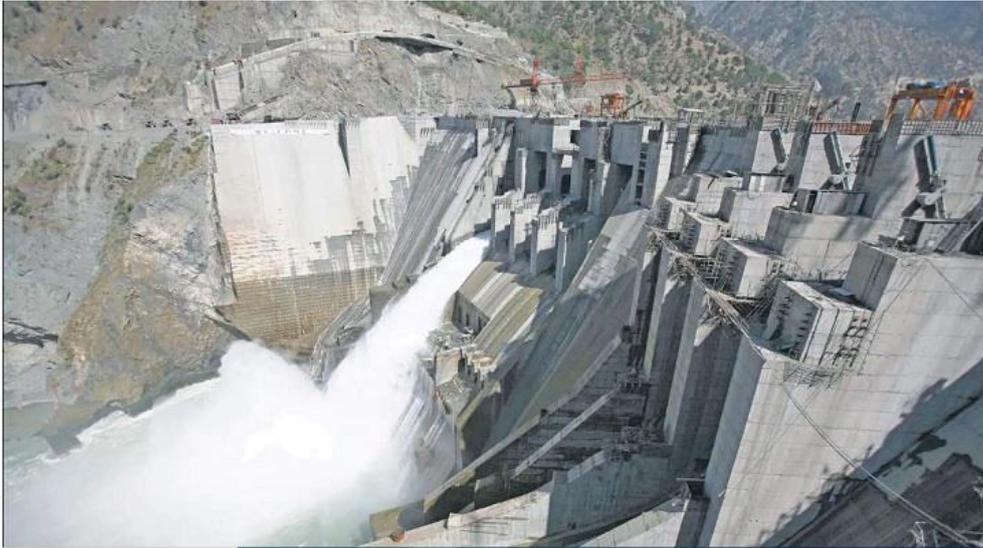
- हाल ही में सोमवार, 8 जुलाई को केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर के अरुणाचल प्रदेश के दौरे से पहले राज्य पुलिस द्वारा अरुणाचल प्रदेश में प्रस्तावित अपर सियांग बहुउद्देशीय भंडारण परियोजना के दो बांध विरोधी कार्यकर्ताओं को ऐहितियात के तौर पर हिरासत में ले लिया गया है।
- अरुणाचल राज्य पुलिस के अनुसार ये दोनों कार्यकर्ता संभावित रूप से केंद्रीय ऊर्जा मंत्री के अरुणाचल दौरे के दौरान सार्वजनिक व्यवस्था को खराब करने का प्रयास कर सकते थे इसलिए इन्हें हिरासत में ले लिया गया है।
- हालांकि हिरासत में लिए गए दोनों बांध विरोधी कार्यकर्ता का यह कहना है कि वे सिर्फ विवादास्पद प्रस्तावित अपर सियांग बहुउद्देशीय परियोजना के संबंध में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री को एक ज्ञापन सौंपना चाहते थे।



### उपरी सियांग परियोजना क्या है?

- अपर सियांग बहुउद्देशीय जल विद्युत परियोजना भारत के अरुणाचल प्रदेश राज्य के सियांग जिले में ब्रह्मपुत्र नदी की सहायक सियांग नदी पर प्रस्तावित जल विद्युत परियोजना है।
- इस परियोजना की शुरुआत अप्रैल 2009 में राष्ट्रीय जल विद्युत निगम द्वारा बांधों के निर्माण के साथ शुरू किया गया था।
- इस जल विद्युत परियोजना के तहत लगभग 11 हजार मेगावाट जल विद्युत (Hydroelectricity) के उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है।

- वर्ष 2017 में केंद्र सरकार ने केंद्र सरकार 5500 मेगा वाट जल विद्युत उत्पादन वाली सियांग पर स्टेज-I और 3750 मेगावाट जल विद्युत उत्पादन वाली सियांग अपर स्टेज-II जल विद्युत परियोजना को एकीकृत करके अपरी सियांग बहुउद्देशीय परियोजना में बदलने का प्रस्ताव रखा।
- राष्ट्रीय जल विद्युत निगम (NHPC, National Hydroelectricity Power Co-operation) द्वारा इस परियोजना के तहत लगभग 300 मीटर ऊंचे बांध का निर्माण किया जाना है जो बन जाने के बाद भारतीय उपमहादीप का सबसे बड़ा बांध होगा।
- केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के नवंबर 2022 की रिपोर्ट के अनुसार सियांग नदी बेसिन पर 25 मेगावाट से अधिक की स्थापित क्षमता वाली कुल 29 जल विद्युत परियोजनाएं हैं।
- वर्तमान में सियांग नदी बेसिन पर संचालित कुल 29 जल विद्युत परियोजना संयुक्त रूप से 18,326 मेगावाट जल विद्युत का उत्पादन करते हैं।
- हालांकि प्रस्तावित अपर सियांग बहुउद्देशीय जल विद्युत परियोजना सियांग नदी बेसिन पर स्थापित कुल 29 जल विद्युत परियोजनाओं का लगभग 60% से अधिक (11 हजार मेगावाट) जल विद्युत का उत्पादन करेगी।
- एक अनुमान के अनुसार इस योजना का वर्ष 2029 तक पूरा होने की उम्मीद है जबकि इसका वाणिज्यिक संचालन वर्ष 2023 तक किए जाने की संभावना है।
- इस परियोजना के तहत बनाए जाने वाले हाइड्रो जलाशय की क्षमता लगभग 10 हजार मिलियन क्यूबिक मीटर होगी।



### निर्माण कार्य –

- उपरी सियांग बहुउद्देशीय जल विद्युत परियोजना का विकास एवं निर्माण कार्य संयुक्त रूप से राष्ट्रीय जल विद्युत निगम (NHPC) एवं नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर द्वारा किया जा रहा है।
- इस परियोजना के तहत राष्ट्रीय जल विद्युत निगम, नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर एवं अरुणाचल प्रदेश सरकार की क्रमशः 37%, 37% और 26% हिस्सेदारी है।

### परियोजना का रणनीतिक महत्व –

- राष्ट्रीय जल विद्युत निगम (NHPC) के सूत्रों के अनुसार अरुणाचल प्रदेश की प्रस्तावित उपरी सियांग बहुउद्देशीय जल विद्युत परियोजना का मुख्य उद्देश्य चीन की अरुणाचल प्रदेश की सीमा पर तिब्बत के मेडोग

में प्रस्तावित यारलूंग त्सांगपो नदी पर 60 गीगावाट क्षमता वाली बांध निर्माण परियोजना का मुकाबला करना है।

- इस परियोजना का उपयोग चीन पानी की कमी वाले उत्तरी क्षेत्रों में पानी मोड़ने के लिए करेगा।
- यारलूंग त्सांगपो नदी भारत के अरुणाचल प्रदेश में सियांग नदी के रूप में जबकि असम में ब्रह्मपुत्र नदी के रूप में बहती है।
- चीन द्वारा इस परियोजना से भारत में पीक समय के दौरान पानी की कमी (चीन द्वारा उत्तरी क्षेत्र में पानी मोड़ने के कारण) जबकि इनके द्वारा वर्षा ऋतु के दौरान पानी को छोड़े जाने से बाढ़ की संभावना बढ़ा सकती है।
- चीन की इस परियोजना एवं भारत की समस्या का समाधान प्रस्तावित उपरी सियांग परियोजना है जो चीन द्वारा सियांग नदी (चीन में यारलूंग त्सांगपो नदी) के पानी के बहाव को मोड़ने के दौरान एक विशाल जलाशय के रूप में काम करेगा जो अरुणाचल प्रदेश की जल आवश्यकता एवं उसकी सिंचाई आवश्यकताओं को पूरा करने का काम करेगा।

### सियांग नदी –

- सियांग नदी जिनका उद्गम तिब्बत में कैलाश पर्वत के मानसरोवर झील से होता है चीन में यारलूंग त्सांगपो नदी के नाम से जाना जाता है।



- यह नदी सियांग नदी के रूप में अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करती है जो आगे चलकर असम में शक्तिशाली ब्रह्मपुत्र नदी बन जाती है।
- बांग्लादेश में इस नदी को जमुना नदी के रूप में जाना जाता है।
- अपने निर्वहन के हिसाब से सियांग नदी दुनिया की 9 वीं सबसे बड़ी नदी है जबकि लंबाई की दृष्टि से यह दुनिया की 15 वीं सबसे लंबी नदी है।
- 2900 किलोमीटर लंबी यह नदी भारत में अरुणाचल प्रदेश के गेलिंग गांव में प्रवेश करती है और असम घाटी के माध्यम से ब्रह्मपुत्र के रूप में यह असम में प्रवेश करती है।
- दक्षिण पश्चिम में यह नदी जमुना के नाम से बांग्लादेश में बहती हुई दक्षिण में बंगाल की खाड़ी में गंगा नदी के साथ विशाल डेल्टा बनाते हुए विलुप्त हो जाती है।
- तिब्बत में यह नदी 1700 किलोमीटर भारत के अरुणाचल प्रदेश और असम में 920 किलोमीटर तक बांग्लादेश में 260 किलोमीटर की दूरी तय करती है।

- सियांग नदी के तहत भारत को लगभग 30% मीठा जल एवं भारत की कुल पनबिजली क्षमता का लगभग 40% पनबिजली प्राप्त होता है।

### उपरी सियांग बहुउद्देशीय पनबिजली परियोजना का स्थानीय लोगों के द्वारा विरोध क्यों?

- इस परियोजना के तीन बांध विरोधी संगठन सियांग इंडिजिनियस फार्म्स फोरम (SIFF), दिबांग रेजिस्टेंस और नॉर्थ ईस्ट ह्यूमन राइट्स इसका विरोध कर रही है।
- इन तीनों बांध विरोधी संगठन का कहना है कि अरुणाचल प्रदेश में पहले से ही स्थापित कई जल विद्युत परियोजनाओं के कारण यहां की नदियां पहले से ही प्रभावित रही हैं।
- प्रस्तावित उपरी सियांग मेगा बांध परियोजना सियांग नदी के नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र जो वन्यजीव आवास और जैव विविधता के घर के रूप में है को नुकसान पहुंचाएगा।
- बांध विरोधी संगठन का कहना है इस प्रस्तावित परियोजना के कारण थिंगकियों के उपरी जिला मुख्यालय सहित कई जनजाति समूहों के 300 से अधिक गांव जलमग्न हो जायेंगे।
- इसके अलावा इन संगठनों का कहना है कि सियांग जिले और राज्य के सभी आदिवासी क्षेत्र के लोग सियांग नदी पे आजीविका, संस्कृतिक प्रयासों और जीविका के लिए निर्भर हैं जो प्रस्तावित बांध के निर्माण से खतरे में पड़ जाएगा।



### NHPC का 325 करोड़ रुपए का पैकेज -

- राष्ट्रीय जल विद्युत निगम ने प्रस्तावित परियोजना के लिए समर्थन जुटाने के अभियान के साथ 325 करोड़ रुपए की बुनियादी पैकेज को मंजूरी दी है।
- इन पैकेज का उपयोग बांध निर्माण से प्रभावित लोगों के लिए आजीविका योजना के कार्यन्वयन के साथ-साथ स्वास्थ्य, शिक्षा और खेल बुनियादी ढांचे के विकास के लिए किया जाएगा।